भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 26.06.2019

आर्किटेक्चर विभाग में इसी सत्र से 20 सीटों पर होगा प्रवेश

वास्तुकला भी पढ़ाएगा आईआईटी बीएचयू

खुला विभाग

वाराणसी | कार्यालय संवाददाता

आईआईटी बीएचयू में अब वास्तुकला की भी दीक्षा दी जायेगी। इसके लिए एक अलग विभाग बनाया गया है। इसमें इसी सत्र में 20 सीटों पर प्रवेश लिया जायेगा। अगले चार साल में सीटों की संख्या 100 करने का लक्ष्य है। वैसे आईआईटी में सिविल इंजीनियरिंग विभाग है पर यहां वास्तुकला की पढ़ाई नहीं होती है।

वास्तुकला (आर्किटेक्चर) विभाग में बीटेक इन आर्किटेक्चर, एमटेक इन आर्किटेक्टर, बीटेक इन डिजाइनिंग की पढ़ाई भी आरंभ होगी। पाठ्यक्रम में बनारस शहर के आर्किटेक्चर को भी शामिल किया जाएगा। इस विभाग का मकसद क्षेत्र के साथ पूर्वांचल का विकास करना है। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रमोद जैन ने बताया कि क्षेत्र के विकास की दिशा में संस्थान में पहले से भी कुछ कार्य चल रहे है। आर्किटेक्चर विभाग का प्रारंभ संस्थान की एक महत्वपूर्ण शैक्षिक उपलब्धि है। इसके माध्यम से संस्थान अभियांत्रिक आर्किटेक्चर में दक्ष युवाओं की फौज तैयार करेगा। इससे आईआईटी बीएचयू राष्ट्र के निर्माण तथा मेकइन इंडिया के राष्ट्रीय अभियान का अहम हिस्सा बनेगा। प्रो. जैन ने बताया कि संस्थान ने अनुसंधान के क्षेत्र में भी प्रगति की है। बीते छह माह में 30 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं स्वीकृत हुई। जिसमें यूपीडा, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत रक्षा अनुसंधान कॉरिडोर परियोजना, रफ्तार योजना तथा स्टील ऑथारिटी ऑफ इंडिया (सेल) प्रमुख हैं। संस्थान में राष्ट्रीय महत्व की तीन स्पार्क परियोजनाएं भी स्वीकृत हैं। विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक व अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों के लिए 13 राष्ट्रीय तथा पांच अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एमओयू हुआ है।

आर्किटेक्चर विभाग के बारे में मंगलवार को जानकारी देते आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रमोद जैन। साथ में प्रो. पीके मिश्र। • हिन्दुस्तान

चार नए केंद्र की स्थापना

आईआईटी बीएचयू में महामना के विचारों को आगे बढ़ाते हुये पांच सालों में 230 करोड़ की लागत से चार नये केन्द्र स्थापित होंगे। जिसमें सेंचुरी इनोवेशन एंड रिसर्च पार्क, डिफेंस एंड प्रीसेशन इंजीनियरिंग हब, ग्लोबल आउटरीच एंड एंगेजमेंट तथा मालवीय एक्टिविटी एंड कंप्यूटिंग सेंटर बनाने की योजना है।